

पक्ष पुं. (तत्.) 1. किसी स्थान या पदार्थ के दोनों छोर, दोनों किनारे। दायँ या बायँ भाग अथवा पक्ष 2. पक्षियों के पर या पंख जिससे वे 'पक्षी' कहलाते हैं 3. जीव-जंतुओं के दाहिने या बाएँ ओर का पार्श्व 4. चांद्रमास के दो बराबर भागों में से प्रत्येक भाग जो 15 दिनों का होता है और उसी से 'पाक्षिक' शब्द बना है जैसे- पूर्णिमा से अमावास तक से दिन कृष्ण पक्ष में और अमावस से पूर्णिमा तक के दिन 'शुक्ल पक्ष' में गिने जाते हैं 5. किसी बात या विषय के दो भिन्न-भिन्न पक्ष या पहलू जैसे- निर्णायक ने दोनों पक्षों की बात सुनी, फिर निर्णय दिया, इस प्रश्न के अनेक पक्ष हैं 6. शरीर का एक भाग या अर्द्ध भाग ग्रहण पुं. दो पक्षों में से किसी एक का पक्ष लेना, उसे अंगीकार करना।

पक्ष-आघात पुं. (तत्.) एक प्रकार का वात रोग जो शरीर के बाएँ या दाएँ भाग को बेकार या निष्क्रिय कर देता है।

पक्षक पुं. (तत्.) 1. पार्श्व द्वार, 2. किसी पक्ष की खिड़की, 3. किसी पक्ष की खिड़की की ओर 4. तरफदार या सहायक 5. पंखा या जिसके पंख हों।

पक्षगम वि. (तत्.) पंखों से जाने वाला, उड़ने वाला पुं. उड़ने वाला जीव आदि।

पक्ष ग्रहण पुं. (तत्.) दो पक्षों में से किसी एक का पक्ष लेना, उसे अंगीकार करना।

पक्षज वि. (तत्.) चंद्रमा।

पक्षति स्त्री. (तत्.) 1. शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा या पहली तिथि 2. पंख की जड़, पखना।

पक्षधर पुं. (तत्.) किसी का पक्ष लेने वाला, पक्ष (पंख) धारण करने वाला।

पक्षधरता पुं. (तत्.) वाद-विवाद की स्थिति में किसी एक दल या पक्ष की ओर हो जाने की क्रिया या भाव, उसका समर्थन।

पक्षपात पुं. (तत्.) न्याय के समय किसी कारण से किसी की ओर हो जाना, किसी की तरफदारी

करना, सहायता करना। चिड़िया आदि के पंख गिरना या झड़ना।

पक्षभुक्ति पुं. (तत्.) सूर्य द्वारा एक पखवारे या पंद्रह दिन में तय की जाने वाली दूरी।

पक्षरूप पुं. (तत्.) महादेव, शिव।

पक्षांत पुं. (तत्.) 1. अमावस्या 2. पूर्णिमा 3. सैन्य दल का अंतिम छोर या किनारा।

पक्षांतर पुं. (तत्.) दो पक्षों में से कोई एक पक्ष, या दूसरा पक्ष।

पक्षालु (पक्षाल) पुं. (तत्.) पक्षी।

पक्षावसर पुं. (तत्.) पूर्णिमा।

पक्षाहार पुं. (तत्.) पंद्रह दिन में या महीने के एक पक्ष में एक बार भोजन करने वाला नियम, 2. इस प्रकार का व्रत या नियम पालने वाला व्यक्ति।

पक्षि पुं. (तत्.) पंख वाला, परों वाला।

पक्षिकीट पुं. (तत्.) छोटी चिड़िया।

पक्षिणी वि. (तत्.) 1. पक्ष, पंख या परों वाली स्त्री मादा पक्षी, चिड़िया 2. पूर्णिमा 3. दो दिनों के बीच की रात का समय 4. बाल घातिनी 'पूतना'।

पक्षिपाल वि. (तत्.) 1. चिड़िया आदि पक्षियों को पालने वाला पुं. पक्षिपालक व्यक्ति।

पक्षिपुंगव पुं. (तत्.) 1. जटायु 2. गरुड़ (पक्षियों में श्रेष्ठ)।

पक्षिराज पुं. (तत्.) 1. पक्षियों का राजा अर्थात् गरुड़ 2. जटायु 3. धान का एक प्रकार।

पक्षिल पुं. (तत्.) 1. पक्ष लेने वाला, व्यक्ति मददगार, सहायक, सहयोगी 2. स्वामी- एक प्राचीन आचार्य, (प्राकृत भाषा के आचार्य हेमचंद्र महर्षि वात्स्यायन का ही नाम मानते हैं, गौतम के न्याय-सूत्र का भाष्य इन्होंने ही लिखा था) वि. पक्ष लेने वाला।

पक्षिशाला पुं. (तत्.) 1. पक्षियों के रहने का स्थान 2. घोंसला 3. पिंजरा 4. प्राणीउद्यान 5. चिड़ियाघर।